(d) There has been no decline in exports. As per the latest available data, exports during April—June 94 were valued at US $ 5613.6 million compared to US $ dollars 5127.1 million during the corresponding period of previous year.

कृषि उत्पादों के विपणन हेतु निर्यात बाजार का सर्वेक्षण

1839. चौधरी हरमोहन सिंह :
श्री ईश दत्त यादव :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्पादों, विशेष रूप से ऐसे कृषि-उत्पादों के विपणन के लिए जो पारिस्थितिकी के अनुकूल हैं, निर्यात बाजार का कोई सर्वेक्षण कराया गया है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार पारिस्थितिकी-अनुकूल चाय की तरह पारिस्थितिकी-अनुकूल कृषि-उत्पादों के उत्पादन के लिए अनुसंधान और विकास कार्य को बढ़ावा देने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) और (ख) जी, नहीं।

(ग) और (घ) कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने व्यापार और उद्योग के सामान्य लाभ के लिए अनुसंधान संस्थानों के जरिए संगत अनुसंधान एवं विकास कार्यों के लिए एक योजना बनायी है जिससे कि पारिस्थितिकी के अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा मिल सके।

राज्य व्यापार निगम/खनिज तथा धातु व्यापार निगम द्वारा विदेशी चीनी-व्यापारियों को निम्न विक्रय-दर को अस्वीकृत किया जाना

1840. श्री सोमपाल : क्या वाणिज्य मंत्री 26 जुलाई, 1994 को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न संख्या 2 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ विदेशी व्यापारियों ने राज्य व्यापार निगम/खनिज तथा धातु व्यापार निगम को सस्ती दरों पर चीनी बेचने के लिए प्रस्ताव भेजे थे ;

(ख) यदि हां, तो दरों और बिक्री के लिए उनके द्वारा प्रस्तावित चीनी की मात्रा सहित ऐसे प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) सस्ती दरों पर चीनी उपलब्ध कराने के इन प्रस्तावों को अस्वीकृत करने के विस्तृत कारण क्या हैं ?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) से (ग) अंतर्राष्ट्रीय बाजार से सर्वाधिक प्रतियोगी प्रस्ताव प्राप्त करने और साथ ही साथ आपूर्ति की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से एस टी सी/एम एम टी सी ने रिफाइन्ड सुगर एसोसिएशन (आर एस ए) लंदन के सदस्य और गैर सदस्य दोनों से चीनी की आपूर्ति के लिए प्रस्ताव इस शर्त पर विचारार्थ प्राप्त किए थे कि उन्हें कुछ निश्चित अतिरिक्त शर्तें पूरी करनी/स्वीकार करनी होंगी। गैर-आर एस ए की उन पार्टियों के प्रस्ताव स्वीकार कर लिए गए जिन्होंने निर्धारित शर्तें मान ली जबकि पार्टियों के प्रस्तावों क अस्वीकार कर दिया गया जिन्होंने निर्धारि शर्तों को पालन करने से मना क दिया।